[श्री चन्द्रपाल सिंह]

अत: माननीय वित्त मन्त्री जी से निवेदन है कि प्रथमा बैंक के अध्यक्ष के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें और इस बैंक की सभी शाखाओं में कामकाज चालू करवायें, जिससे जनता को होने वाली कठिनाइयों एवं बैंक के ठप्प कामकाज को सामान्य गति प्रदान की जा सके।

(viii) Need for a railway line between Sardar Sahar-Hanumangarh *via* Mandi Rawatsar in Rajasthan

श्री बीरबल (गंगानगर) : उपाध्यक्ष महोदय, सरदार शहर से वाया मंडी रावतसर होती हुई हनुमानगढ़ जंक्शन तक रेलवे लाइन मंजूर की जाए और यह नई लाइन दो जिलों को जोड़ेगी, जिला श्रीगंगानगर और चूरू। इस लाइन के ऊपर (1) मंडी जंक्शन, नं० (2) मंडी हनुमानगढ़, नं० (3) मंडी रावतसर, नं० (4) पल्लू कस्बा, यह कस्बा जिला गंगानगर का सबसे पुराना और ऐतिहासिक है, इस कस्बे में श्री दुर्गा माता का मेला लगता है और इस मेले में श्रद्धालु यात्री लाखों की संख्या में आते हैं और सरदार शहर से लेकर गांव धन्नासर तक का एरिया जिप्सम का भण्डार है और इस जिप्सम का लदान ट्रकों पर होता है और रोजाना हजारों ट्रक हनुमानगढ़ जंक्शन पर आकर रुकते हैं और सरदार शहर से लेकर हनुमानगढ़ जंक्शन के बीच में बड़े-बड़े गांव भी सैकड़ों आते हैं। तो मैं आपसे आशा करता हूं कि इस 185 किलोमीटर लम्बी लाइन की मंजूरी देंगे।

(ix) Need to direct the concerned authorities to purchase wheat from farmers in Kheri (U.P.)

श्रीमती ऊषा वर्मा (खीरी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक अत्यन्त महत्वपूर्ण मामला सदन के सामने रख रही हूं।

मेरे प्रदेश उत्तर प्रदेश में और खासकर मेरे संसदीय क्षेत्र लखीमपुर-खीरी में इस समय एक बहुत बड़ा संकट आ गया है। इस वर्ष गेहूं की फसल काफी अच्छी है। लेकिन किसान को बड़ी आपदा आ पड़ी है। बिजली न होने के कारण गेहूं की कटाई व सफाई में काफी परेशानी हो रही है। इसके अलावा जो गेहूं मंडियों में आ गया है उसकी सरकारी खरीद में काफी देर से किसान परेशान हैं। इतनी मेहनत के बाद अगर किसान को समय पर अपनी फसल का लाभ नहीं होगा तो यह एक बहुत गम्भीर हालत पैदा कर देगा।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि कृषि मन्त्री तुरन्त गेहूं की खरीद के बारे में समुचित आदेश दें।

(x) Need for modernisation of Paradip Port and to improve the railway facilities in Orissa to make Paradip Port profitable

SHRI CHINTAMANI JENA (Balasore) : Paradeep Port in Orissa once considered to be one of the deepest ports in the East Coast of our country, is now going to be totally defunct. As the modernisation of this port was not taken up from the beginning, this port is running in heavy loss as per experts opinion. This port, though constructed in the year 1966 to accommodate 6500 tonne ships, could not be modernised yet, but the port of Madras, Visakhapatnam after modernisation long after 1966, are now able to accommodate 1 lakh tonne ships and the Goa port 1.5 lakh tonne ships. The experts opined that due to the lack of railway facilities in the State, the port is running in loss. They have reported that after completion of 147 kms. of Daitari-Banspani rail link, the iron ores and other mineral products from Gandhamardan and Banspani area, instead of the present practice of bringing mineral, covering 664 kms railway line via Rajkharsun, Kharagpur and Cuttack the distance will be reduced by 326 kms and the Railway freights at present paid 66% of the price of these minerals will be reduced to 30% and then only, the Orissa Mining Corporation, who are the sole distributor of iron ore, will be able to compete with the prices of iron ore from Brazil and Australia.

The countries like Japan, South Korea